

---

shivashivAstutiH 3

---

शिवशिवास्तुतिः ३

---

Document Information



---

Text title : Shivashivastutih 3

File name : shivashivAstutiH.itx

Category : shiva, devii, devI, aShTaka

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Latest update : August 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 4, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

## शिवशिवास्तुतिः ३



विधिक्रियाज्ञानगणैरलभ्यं-  
समस्त शास्त्रोदधिसारभूतम् ।  
स्वतः प्रकाशं हृदये वसन्तमं  
भवं भवानीसहितं नमामि ॥ १ ॥

गर्भीकृताशौषजगत्स्वरूपं  
स्थितं प्रतिप्राणिनिजात्मभूतम् ।  
अनादिमेकं बहुधा विभक्तं  
भवं भवानीसहितं नमामि ॥ २ ॥

सर्वस्वरूपेण विभासमान-  
मगुह्यगुह्यं मनसाप्यगम्यम् ।  
विस्त्रम्भदृश्यं हृदये बहिश्च  
भवं भवानीसहितं नमामि ॥ ३ ॥

विकल्पजालैः प्रसृतार्थजालै-  
र्विभासमानं त्वविकल्परूपम् ।  
मूढैदृश्यं विदुषैकगम्यं  
भवं भवानीसहितं नमामि ॥ ४ ॥

प्रकाशितैः स्वेन विभास्यते यो  
वेदादिशब्दैर्निखिलैश्च भूतैः ।  
तमेकमेवाहमिति (स्वशक्त्या) प्रकाश्यं  
भवं भवानीसहितं नमामि ॥ ५ ॥

वेत्तृस्वरूपं ननु वेद्यरूपं  
विभाति यो वेदनरूपमेकः ।  
तमेव नित्यं त्रिपुटीविहीनं  
भवं भवानीसहितं नमामि ॥ ६ ॥

देवैर्मनुष्यैरसुरैरवेद्यं  
संस्तूयमानं स्तुतिभिर्महेशम् ।  
स्वच्छं स्वतन्त्रं जगदेकवन्द्यं  
भवं भवानीसहितं नमामि ॥ ७ ॥  
वेलां भवाब्धेस्तरणीञ्च तस्य  
हेतुं निधानं करणं क्रियां च ।  
भोगस्य मोक्षस्य विधातृसिंहं  
भवं भवानीसहितं नमामि ॥ ८ ॥  
इति शिवशिवास्तुतिः सम्पूर्णा ।

Encoded and proofread by Ruma Dewan

---

——  
*shivashivAstutiH 3*

pdf was typeset on August 4, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

